Publication Date 01.02.2024
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 55 | अंक 02 | 01 फरवरी, 2024 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

G20 भारत 2023 INDIA

जय श्री राम

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री हरियाणा 26 जनवरी को करनाल में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण करने उपरांत राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए।

श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री हरियाणा 26 जनवरी को करनाल में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान परेड की सलामी लेते हुए।

डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री 26 जनवरी को हिसार के महावीर स्टेडियम में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण करने उपरांत राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए।

डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री हिसार में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान परेड का निरीक्षण करते हुए।

श्री संजीव कौशल मुख्य सचिव हरियाणा 6 जनवरी को हिपा गुरूग्राम में आईएएस के लिए ''करियर उन्नति के विविध पहलू'' विषय पर आयोजित सेमिनार में अधिकारियों को संबोधित करते हुए।

श्री राजेश जोगपाल, रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां हरियाणा को श्री योगेश शर्मा प्रबन्ध निदेशक हाउसफैड पुष्प गुच्छ देकर नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
डॉ. राजा सेखर वुंदरू, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
सुमन बल्हारा
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
केदार नाथ

सुविचार

हो सकता है हम ठोकर खाकर गिर पड़ें,पर हम उठ सकते हैं, यह भागने से तो अच्छा है।

- महात्मा गांधी

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	14000/–
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	9000/–
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/–
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	4000/–

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	6
पैक्स के बिना सहकारिता का खाका नहीं बन सकता	7
मुख्यमंत्री ने करनाल में 75वें गणतंत्र दिवस का ध्वजारोहण	8
सहकारिता मंत्री ने हिसार में 75वें गणतंत्र दिवस का ध्वजारोहण	9
अफ्रीकी देशों में हरियाणा के किसान तलाशेंगे कृषि की संभावनाएं	10
सरकार ने गायों के चारे के लिए किया उचित प्रबंध	11
शिविर में मॉडल बॉयलॉज की विस्तृत जानकारी दी	11
ट्यूबवेलों पर दी जाने वाली बिजली सप्लाई के समय में परिवर्तन	12
पैक्सों को मजबूत कर रही हैं सरकार की योजनाए	12
सांझा डेयरी का हर जिले में पायलेट प्रोजेक्ट जल्द होगा शुरू	13
कृषि मंत्री ने इफको द्वारा तैयार की गई नैनो व डीएपी के लाभ बताए	13
प्रैस कतरनें	14-15
केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर	16
अनिल कुमार अतिरिक्त सचिव से सचिव पद पर पदोन्नत	16
बावल में बेहतर आवागमन के लिए 32 सड़कों की मंजूरी	17
सहकारिता मंत्री ने एजेंडों की 15 में से 11 शिकायतों का किया निपटान	18
व्यवसाय शुरू करने के लिए 50 करोड़ तक ऋण का प्रावधान	18
फिल्ड कार्यक्रम	19-22
मोती की खेती : रोजगार का उभरता अवसर	23-24
ग्रेवाल के परिवार का सेना में अहम योगदान	24
फरवरी मास के कृषि कार्य	25-26
आईएफएफडीसी के बीजों का दिया प्रशिक्षण	27
कविता नारी तुम आस्था हो, विश्वास हो	27
शोक सूचना	28
पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना	29
विज्ञापन	31

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

सम्पादकीय

पैक्स में सीएससी केन्द्र यानी हर घर तक पहुंच

अयोध्या धाम में 22 जनवरी को श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसे देशभर में हर्ष और उल्लास के साथ त्योहार की तरह मनाया गया। पूरा देश राममयी बन गया। इस त्योहार पर हमें श्रीराम के गुण त्याग, मर्यादा, सदाचारी, दृढ़प्रतिज्ञ, आदर्शवादी, दयालुता और धैर्यवान को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

सहकारिता की बात करें तो विभाग भी उन सब गुणों के साथ समाज को एकजुट कर रहा है। केन्द्र सरकार ने सहकारिता को बढ़ावा देते हुए सहकारिता मंत्रालय स्थापित किया और मंत्रालय ने कई नई पहलें लागू की। सहकारिता मंत्रालय की नई पहलों में से एक पहल पैक्सों में कॉमन सर्विस सेन्टर (सीएससी) खोलना शामिल है। सीएससी खोलने का मतलब पैक्स की हर घर तक पहुंच करना है। सीएससी के अलावा भी पैक्स की अनेक प्रकार की योजनाएं हैं, जिनके बारे में वहां पर पहुंचने पर लोगों को पता चल पाएगा। सहकारिता मंत्रालय का उद्देश्य पैक्सों को घाटे से उबारने के साथ–साथ आम लोगों तक सुविधाएं को बिना किसी की रूकावट के पहुंचाना है।

सीएससी के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार की करीब 400 से ज्यादा सेवाएं उपलब्ध हैं। इनमें मुख्यतः किसानों के लिए फसल बीमा योजना, ईकेवाईसी, मेरी फसल मेरा ब्योरा, मेरा पानी मेरी विरासत, मुआवजा आवेदन पोर्टल, सबसिडी योजनाओं के आवेदन, आधार अपडेट, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, इंश्योरेंस, बस, रेल व हवाई टिकट, आरटीआई फीस, एफिडेविट, परिवार पहचान पत्र, मैरिज सर्टिफिकेट, पासपोर्ट आवेदन, बुढ़ापा सम्मान भत्ता, रोजगार के लिए आवेदन, एचएसएससी आवेदन, एचकेआरएनएल में आवेदन जैसी लगभग सेवाएं शामिल हैं।

ये वो सेवाएं हैं, जिनकी आए दिन हर घर में आवश्यकता होती है। इन सेवाओं को पैक्स पर सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मुहैया करवाया जाएगा। प्रदेश के हर जिले में पैक्सों की सीएससी आईडी बनाने का काम चल रहा है। कई जगहों पर तो पैक्सों ने सीएससी के रूप में काम करना शुरू भी कर दिया है। जल्द ही बची हुई पैक्सों में भी ये काम शुरू हो जाएंगे, जिसके बाद पैक्सों में ग्रामीणों को सीएससी सेवाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

पैक्सों को सीएससी सेवाएं देने के लिए ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ रहा। सीएससी आईडी बनने के बाद एक कंप्यूटर सैट, प्रिंटर–स्कैनर और एक टेबल के साथ काम शुरू किया जा सकेगा। काम करने के लिए किसी एक कर्मचारी को प्रशिक्षण दिलवाकर या फिर योग्य व्यक्ति का चयन करके भी काम को सुचारू रूप से चलाया जाएगा। इस काम के एवज में सरकार द्वारा तय किया गया कमीशन पैक्स को मिलेगा। इस योजना में भले ही बचत कम होगी, लेकिन हर घर तक अनेक योजनाओं को पहुंचाना आसान होगा।

पैक्स के बिना सहकारिता का खाका नहीं बन सकता

-अमित शाह

नई दिल्ली, 8 जनवरी :– श्री अमित शाह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने आज नई दिल्ली में 5 राज्यों के पैक्स को प्रधानमंत्री भारतीय जन–औषधि केंद्र के संचालन के लिए स्टोर कोड वितरित करने के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उवर्रक मंत्री, श्री बीएल वर्मा सहकारिता राज्य मंत्री सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तय किया गया है कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को अन्य कामों में जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया जाए और आज इसी उद्देश्य का विस्तार हो रहा है। देश भर की 2373 पैक्स को सस्ती दवा की दुकान यानी जन औषधि केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। जन औषधि केंद्र ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, जिसकी वजह से केवल शहर के गरीबों को ही उनका फायदा मिलता था और उन्हें 10 रुपए से लेकर 30 रुपए तक सस्ती दवाएं मिलती थी, मगर पैक्स के माध्यम से अब ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों और किसानों के लिए भी सस्ती दवाइयां उपलब्ध होंगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज देश के विभिन्न हिस्सों से पांच पैक्सों को सिंबॉलिक सर्टिफिकेट भी दिए गए, जिसमें महाराष्ट्र, बिहार, जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। सहकारिता मंत्रालय 2 लाख नए पैक्स बनाकर हर पंचायत तक पैक्स पहुंचाएगा। पैक्स के आधार के बगैर सहकारिता का खाका तैयार नहीं हो सकता। पहले बड़ी पैक्स मोटे तौर पर क्रेडिट एजेंसी का काम करते थे, लेकिन अब पैक्सों को माइक्रो एटीएम और किसान क्रेडिट कार्ड के काम से भी जोड़ दिया गया है। अब पैक्सों में पशुपालन संवर्धन केंद्र और सीएससी भी खुल सकता है तथा रेलवे टिकट की बुकिंग भी हो सकती है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एलपीजी की डीलरशिप के लिए भी पैक्स को प्राथमिकता देने का निर्णय किया गया है। हर घर नल से जल अभियान के व्यवस्थापन के लिए भी लगभग 27 राज्यों ने पैक्स को ऑथराइज कर दिया है। आज 35000 पैक्स देश में फर्टिलाइजर की डिस्ट्रीब्यूशनशिप से जुड़े हैं। 22 अलग–अलग प्रकार के कामों को नए बायलॉज के अंतर्गत जोड़ने का काम किया है, जिसके कारण अब पैक्स बंद हो ही नहीं सकते और उन्हें ढेर सारा मुनाफा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने करनाल में 75वें गणतंत्र दिवस का ध्वजारोहण करने के बाद की बड़ी घोषणाए

प्रदेश की सभी 40 मंडियों में सालभर चलेंगी अटल कैंटीन 11 शहरों में मिलेंगे प्लॉट, हर महीने आएगा बिजली बिल

-मनोहर लाल

करनाल, 26 जनवरी :– श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री हरियाणा ने आज जिला करनाल में 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 1 फरवरी 2024 से 11 शहरों में प्लॉट के आवंटन के लिए पोर्टल खोला जाएगा, जिसमें 30 वर्ग गज का प्लॉट दिया जाएगा। आवेदनकर्ता मामूली राशि जमा करवा कर इसमें भागीदारी कर सकेंगे। ऐसे लोगों को बैंको से ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा और केंद्र व राज्य सरकार की ओर से भी सहयोग किया जाएगा, ताकि वे लोग अपना मकान बना सकें।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि करनाल में स्थित डॉ. मंगलसेन ऑडिटोरियम में डॉ. मंगलसेन की मूर्ति तथा कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में कल्पना चावला की मूर्ति स्थापित की जाएगी। ध्वजारोहण से पहले, मुख्यमंत्री ने वीर शहीदी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हरियाणा पुलिस, महिला पुलिस टुकड़ी, होमगार्ड तथा स्काउट्स इत्यादि की टुकड़ियों की परेड का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि गरीबों, किसानों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश की 25 मंडियों में अटल कैंटीन चलाई जा रही हैं, जो 5 महीने के लिए संचालित की जाती हैं। अब 1 फरवरी 2024 से 15 और मंडियों में अटल कैंटीन खोली जाएंगी और सभी 40 मंडियों में यह कैंटीन अब 5 माह की बजाय सालभर चला करेंगी।

श्री मनोहर लाल ने घोषणा करते हुए कहा कि बिजली के बिल दो महीने की बजाय हर माह आने के लिए अब पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 1 फरवरी से 4 जिलों नामतः हिसार, महेंद्रगढ, करनाल और पंचकूला में मासिक बिल आयेंगे। शुरुआत में मीटर रीडिंग लेने के लिए निगम की ओर से कर्मी जाएंगे।

श्री मनोहर लाल ने देश की आजादी में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों तथा सन 1962, 1965, 1971 युद्ध और कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आजादी के बाद प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, अन्नदाता किसान, मेहनतकश कामगार और देश की जनता ने मिलकर इस देश को दुनिया की एक बहुत बड़ी शक्ति बनाया।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि देश की प्रगति में हरियाणा भी अपना योगदान अदा कर रहा है। पिछले साढ़े 9 वर्षों में राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाएं बनाई हैं तथा व्यवस्था परिवर्तन के कार्य किए हैं और आज देश के अन्य प्रांत हमारी योजनाओं का अनुसरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हरियाणा टॉप अचीवर्स में पहुंच गया है। एमएसएमई के मामले में हरियाणा का देश में तीसरा, खाद्य भंडार में देश में दूसरा स्थान है। पढ़ी–लिखी पंचायत वाला हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है। खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपये की राशि दी जाती है। देश में सर्वाधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन 3000 रुपये की राशि देने वाला हरियाणा एकमात्र राज्य है। हरियाणा की 2,96,685 रुपये प्रति व्यक्ति आय है, जो देश के बड़े राज्यों में सर्वाधिक है। देश की जीडीपी में हरियाणा का 4 प्रतिशत का योगदान है। इन्वेस्टमेंट से लेकर इन्नोवेशन तक हर क्षेत्र में हरियाणा आगे बढ़ रहा है।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने हर 20 किलोमीटर पर एक कॉलेज स्थापित किया है और डिजिटल शिक्षा की ओर बढ़ते हुए सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को 5 लाख मुफ्त टेबलेट दिए हैं। इसी प्रकार, सामान्य स्कूलों को संस्कृति मॉडल स्कूल में बदला है और अभी प्रदेश में 500 संस्कृति मॉडल स्कूल चल रहे हैं और हर वर्ष इन स्कूलों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रदेश में 6 मेडिकल कॉलेज थे। हमारी सरकार ने हर जिला में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की और अब तक कुल 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। 11 मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन स्तर पर हैं या जमीनें ली जा चुकी हैं। इसके अलावा, चिरायु–आयुष्मान योजना के तहत एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। निरोगी हरियाणा के तहत भी लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है।

इस मौक पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने शहीदों के आश्रितों तथा विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया।

डॉ. बनवारी लाल बोले- महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे को विश्व स्तरीय रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता

हिसार के महावीर स्टेडियम में मनाया 75वां गणतंत्र दिवस

हिसार, 26 जनवरी :– डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने हिसार जिला हेड क्वार्टर पर महावीर स्टेडियम में 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। मुख्य अतिथि डॉ. बनवारी लाल द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। इसके बाद पुलिस के जवानों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी और मार्च पास्ट किया। वहीं स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गानों को नाच किया।

डॉ. बनवारी लाल ने अपने संबोधन में सरकार की योजनाओं और हिसार में चल रहे मुख्य विकास कार्यों का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे को विश्व स्तर के हवाई अड्डे के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र को मैन्युफैक्चरिंग एवं मेंटेनेंस हब के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। हवाई अड्डे रनवे का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब बहुत जल्द ही घरेलू हवाई जहाज शुरू कर दिए जाएंगे।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि हिसार शहर बढ़ने के साथ–साथ यहां वाहनों का दबाव भी बढ़ा है, इसलिए जाम की समस्या देखने को मिलती है। हमने शहर के बीचोंबीच एलिवेटिड रोड बनाने की योजना तैयार की है। इसके पूरा होने के बाद लोगों को जगह–जगह पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। हांसी–महम रेलवे लाइन का कार्य भी पूरा हो गया है और जल्द ही इस रूट पर भी यात्रियां रेल गाड़िया चलाई जाएंगी।

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि हिसार जिले को जल्द ही रेलवे फाटक मुक्त जिला बनाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर आरओबी तथा आरयूबी का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। कैमरी रोड पर आरओबी का कार्य पूरा किया जा चुका है। दक्षिण बाईपास पर सातरोड के समीप आरओबी बनने से सफर और आसान होगा, इसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। सूर्य नगर स्थित आरओबी व अण्डर बाईपास का कार्य भी अंतिम चरण में है, जल्द ही इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। दड़ौली रोड स्थित रेलवे फाटक नंबर 114 पर आरोबी का निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सदियों की प्रतीक्षा और अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु श्रीराम का मंदिर अयोध्या में स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के फलस्वरूप अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से देशवासियों को सदियों के धैर्य की धरोहर के रूप में श्रीराम का मंदिर मिला है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के सदस्यों द्वारा लिखित संविधान के कारण ही हम सभी को समान न्याय, स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार मिला। भारत को स्वतंत्रता दिलवाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे अनगिनत महापुरुषों की बदौलत ही भारत आज एक गणराज्य देश कहलाता है। शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद और उधम सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदानों के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

मंत्री ने गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन से खुश होकर प्रतिभागियों के लिए एक लाख 51 हजार रुपये देने तथा समारोह में शामिल होने वाले स्कूली बच्चों के लिए एक दिन की छुट्टी की घोषणा की। इससे पूर्व सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों व सैन्य अधिकारियों के साथ लघु सचिवालय स्थित शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया।

अफ्रीकी देशों में हरियाणा के किसान तलाशेंगे कृषि की संभावनाएं

-मनोहर लाल

चण्डीगढ़, 3 जनवरी– श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा के किसानों को अफ्रीकी देशों में भेजकर व्यापक कृषि क्षमताओं का लाभ उठाने की योजना बना रही है। इस महत्वाकांक्षी प्रयास का उद्देश्य हरियाणा के मेहनती कृषक समुदाय को नए अवसर प्रदान करना है। अफ्रीकी राष्ट्र के राजदूत के साथ चर्चा के बाद राज्य सरकार एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है और इस सहयोग को औपचारिक रूप देने के लिए शीघ्र ही एमओयू का आदान–प्रदान किया जाएगा।

एमओयू के बाद हरियाणा सरकार द्वारा इच्छुक किसानों को इस अनूठे अवसर का लाभ लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। तत्पश्चात किसान समूहों का गठन किया जाएगा और उन्हें अफ्रीकी देशों में भेजा जाएगा, जहां वे अपनी कृषि विशेषज्ञता का उपयोग कर वहां उपलब्ध कृषि परिदृश्य से लाभ उठा सकते हैं। विदेश भेजने से पहले सरकार उन्हें विदेश में कृषि प्रयासों में उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

श्री मनोहर लाल ने बताया कि औद्योगिकीकरण और अन्य विकासात्मक गतिविधियों के कारण हरियाणा में घटती भूमि जोत से सरकार ने राज्य के किसानों के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशने के

हरियाणा के किसानों को विदेशों में सफलता दिलाने के लिए राज्य सरकार देगी प्रशिक्षण और सहायता

लिए पहल की है। मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में सफल कृषि उद्यमों से प्रेरणा लेते हुए हरियाणा भी इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोहराएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्लेसमेंट के लिए युवाओं को विदेशों में अवैध तरीके से भेजे जाने पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। इच्छुक व्यक्तियों के लिए वैध अवसरों की सुविधा के लिए सरकार ने विदेशी सहयोग विभाग और ओवरसीज प्लेसमेंट सेल की स्थापना की है। इनका कार्य विदेश में रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे युवाओं की नियुक्ति के समन्वय के लिए कार्य करना है। ऐसे व्यक्तियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण एचकेआरएन के माध्यम से दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इजरायल में मैनपावर की मांग के अनुरोध में हमने विज्ञापन जारी किया। इसके परिणामस्वरूप 4000 युवाओं ने विदेशों में रोजगार हेतु रुचि व्यक्त की। इन्हें एमडीयू, रोहतक में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए कानूनी तरीके से विदेश जाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जल्द ही अगला विज्ञापन जारी किया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रगति की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 60 प्रतिशत जन संवाद कार्यक्रम पहले ही सफलतापूर्वक संचालित किये जा चुके हैं। प्रति कार्यक्रम लगभग 800 व्यक्तियों की प्रभावशाली औसत उपस्थिति के साथ, ये इंटरेक्टिव सत्र इस वर्ष 25 जनवरी तक जारी रहेंगे। यात्रा का सफल आयोजन करने के मामले में हरियाणा देश में अग्रणी है, जो हमारे लिए गौरव की बात है।

सरकार ने गायों के चारे के लिए किया उचित प्रबंध

पंजीकृत गौशालाओं को दिया जा रहा है अनुदान

- डॉ. बनवारी लाल

चण्डीगढ़, 5 जनवरी – डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने बावल हल्के के दो गावों में गौ सेवा आयोग द्वारा आयोजित चारा अनुदान वितरण समारोह में शिरकत कर दो गौशालाओ में 5 लाख 15 हजार रुपए की राशि प्रदान की। सहकारिता मंत्री ने बावल विधानसभा के गांव सांझरपुर की गौशाला में 2 लाख 32 हजार 750 रुपए की राशी गौमाता के उत्थान हेतु गौ सेवा समिति को अनुदान के रूप में दी। इसी प्रकार गांव रालियावास की गौशाला को भी 2 लाख 82 हजार 750 रुपए की राशी सौंपी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने गौमाता के उत्थान हेतु गौ सेवा समितियों को अनुदान देने का कार्यक्रम बनाया है और अलग से बजट का भी प्रावधान किया गया है। सरकार पंजीकृत गौशालाओं को अनुदान दिया जा है, ताकि गौशालाओं में गायों के लिए पर्याप्त प्रबंध हो सके। इसके अलावा गौशालाओं को सशक्त बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

शिविर में मॉडल बॉयलॉज की विस्तृत जानकारी दी

हिसार, 19 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा भटला जिला हिसार में किसान शिविर का आयोजन किया गया। श्री सत्यावान दलाल एआरसीएस हांसी ने बताया कि 25 दिसम्बर 2023 को मॉडल बायलॉज लॉच किये। उन्होंने किसानों को बॉयलॉज की विस्तार से जानकारी दी। पैक्सों में अनेक प्रकार की योजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिनका आम लोगों को काफी लाभ होगा। डॉ. प्रदीप वेटनरी सर्जन ने किसानों को पशुओं की देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कैसे किसान अपने पशुओं को बीमारियों से बचा सकते

है, दूध उत्पादन में कैसे बढ़ावा कर सकते है, उनका घर पर इलाज कैसे कर सकते हैं। श्री सुरेश कुमार पैक्स मैनेजर ने आमजन के लिए पैक्सों में शुरू होने वाली योजनाओं की जानकारी दी। इनमें जन ओषधी केन्द्र, कॉमन सर्विस सेन्टर, किसान समृद्धि केन्द्र व अन्य योजनाओं के बारे में समझाया। श्री देवेन्द्र सिंह सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ने शिविर में आए हुए सभी वक्ताओं का आभार वक्त किया।

ट्यूबवेलों पर दी जाने वाली बिजली सप्लाई के समय में किया परिवर्तन

चण्डीगढ़, 8 जनवरी – श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बढ़ती ठंड के कारण किसानों द्वारा अपने खेतों में पानी देने में आ रही परेशानी को दूर करते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने ट्यूबवेलों पर दी जाने वाली बिजली सप्लाई के समय में परिवर्तन किया है। अब किसानों को दिन के समय में 2 शिफ्टों में बिजली मिलेगी, जिससे किसान रात की बजाय अब दिन के समय में अपने खेतों में पानी दे सकेंगे।

श्री मनोहर लाल ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति दी जाए। सरकार के इस निर्णय से किसानों को बहुत बड़ा लाभ होगा। पिछले कुछ दिनों से प्रदेशभर से किसानों द्वारा सरकार को इस परेशानी से अवगत कराया जा रहा था, जिसके बाद आज मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया है।

पैक्सों को मजबूत कर रही हैं सरकार की योजनाए

नुंह, 12 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा नुंह के लघु सचिवालय के सभागार में सहकारी समितियों के कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहकारी मंत्रालय द्वारा सहकारिता को मजबूत करने व देश में सहकार से समृद्धि लाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों, योजनाओं के बारे में सामाजिक करने, विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

श्री रितेन्द्र कुमार सहायक रजिस्ट्रार ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों के बारे में बताया। सरकार सहकारी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयासरत हो, इसी का नतीजा है कि सरकार विभिन्न योजनाएं बनाकर पैक्सों को मजबूत कर रही है। श्री पुन्यपाल एफएलसी ने कर्मचारियों को द्वितीय मैनेजमेंट डिपोजित मोबालाइजेशन के बारे में विस्तार से बताया।

श्री वीर सिंह मैनेजर ने सरकार द्वारा उठाई जा रही विभिन्न बैकिंग योजनाओं के बारे में अवगत करवाया तथा कर्मचारियों के प्रश्नों के जवाब में उन्होंने विश्वास दिलाया कि जिला नुंह के सभी बैकों को निर्देशित किया जाएगा कि सभी ऋण विवरण के आवेदन के साथ संबंधित सहकारी समिति का 'नो ड्यूज' सर्टिफिकेट जरूर लें। इससे सहकारी समितियों के द्वारा किए जा रहे ऋण रिकवरी में सहायता हो सके।

कर्मचारी कक्षा के दूसरे दिन श्री सत्यानारायण यादव ने सूचना के अधिकार के बारे में बताया। श्री महेन्द्र सिंह सेवानिवृत ए.सी.ई.ओ. ने कर्मचारियों के सहकारी उपनियम, नियम के बारे में बताया। श्री जगदीश परिहार डी.डी.एम. नावार्ड ने प्रशिक्षण दिया।

श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित कर्मचारियों को सहकारी मूल्यों व सहकारी सिद्धान्तों को आसान करने के लिए सहकारी कर्मचारी विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा दे और समिति के दूसरे सदस्यों के लिए उदाहरण बने।

सांझा डेयरी का हर जिले में पायलेट प्रोजेक्ट जल्द होगा शुरू

-डॉ. बनवारी लाल

चण्डीगढ़, 3 जनवरी :– डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को सांझा डेयरी प्रोजेक्ट पर जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। सांझा डेयरी प्रोजेक्ट बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में पशुपालन व्यवसाय करने वाले लोगों को संयुक्त रूप से पशुपालन के लिए जगह मुहैया करवाई जाएगी। हर जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर इस योजना का शुभारम्भ जल्द ही किया जाएगा। सांझा डेयरी सहकारिता के क्षेत्र में बहुत ही कारगर प्रोजेक्ट है, इससे महिलाओं एवं युवाओं में आत्मनिर्भरता आएगी। पशुपालन विभाग के सहयोग से संचालित किए जाने वाले इस बेहतरीन प्रोजेक्ट को सरकार ने शुरू करने का निर्णय लिया है।

मंत्री डॉ. बनवारी लाल व कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल सिविल सचिवालय में विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने 710 कम्प्यूटर, प्रिंटर, आदि की खरीद प्रक्रिया बारे भी विस्तार से बातचीत की। बैठक में श्री राजा सेखर वुंदरू अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्री जे गणेशन एम.डी. हैफेड सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. बनवारी लाल ने रामपुर में लगने वाली ऑयल मिल का कार्य भी जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। हैफेड द्वारा लगाई जाने वाली यह ऑयल मिल क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत ही कारगर साबित होगी। इस मिल को लगाने के लिए टैक्निकल एलिजिबिलीटी की जांच की जा रही है, जिसे अगले सप्ताह

ही अंतिम रूप दिया जाएगा। जल्द ही रेवाड़ी में बनने वाले ऑल इंडिया इस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का शिलान्यास किया जाएगा। इस संस्थान के निर्माण पर लगभग 1236 करोड़ रुपए की लागत आएगी ।

बैठक के बाद जनस्वास्थ्य मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनके निपटान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने झज्जर जिला के मुन्दसा गांव में पेयजल लाईन बिछाने और निर्बाध रूप से पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री ने इफको द्वारा तैयार की गई नैनो व डीएपी के लाभ बताए

चण्डीगढ़, 14 जनवरी – श्री जेपी दलाल कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसानों व पशुपालकों की आय बढ़ाने व उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए नई–नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। किसानों व पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने किसानों से इफको द्वारा तैयार नैनो यूरिया व डीएपी का ड्रोन के माध्यम से प्रयोग करने व जहर मुक्त खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन से छिड़काव के लिए किसान को महज 100 रुपये प्रति एकड़ देना होगा, बाकि खर्च सरकार वहन करेगी।

श्री दलाल ने मकर सक्रांति के पावन पर्व पर गौशालाओं में दिल खोलकर दान दिया। उन्होंने ग्रामीणों से भी गौशालाओं में अपनी श्रद्धा अनुसार सहयोग करने का आह्वान किया। गौवंश की रक्षा को लेकर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है, इसी के चलते गौ सेवा आयोग का बजट 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपए किया गया है।

कृषि मंत्री ने गांव तिगड़ाना व सोहासड़ा गौशाला में 11 लाख रुपए और मिताथल गौशाला में एक ट्रैक्टर देने की घोषणा की। गांव बिधवान गौशाला में 11 लाख रुपए और एक पानी का टैंकर देने की घोषणा की। सरकार का हर संभव प्रयास है कि किसान और पशुपालकों का जीवन खुशहाल हो और उनके परिवार में समृद्धि आए। इसके लिए सरकार द्वारा पशुपालन, बागवानी और मछली पालन में सब्सिडी पर आधारित अनेक योजनाएं हैं, जिनका किसानों व पशुपालकों को फायदा

उठाना चाहिए।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि जल्द ही मनुष्य की तरह पशुओं के लिए भी एंबुलेंस सेवा शुरू होगी। इसके लिए सरकार ने 70 गाड़ियों की खरीद कर ली है और 130 की शीघ्र की जाएगी। यह सेवा होने के बाद पशुधन के जख्मी होने या अत्यधिक बीमार होने की स्थिति में मात्र एक फोन से पशु चिकित्सक मौके पर जाकर बीमार या जख्मी पशु का उपचार करेंगे।

प्रेस कतरनें

सहकारिता मंत्री ने गोशालाओं में आयोजित कार्यक्रमों में की शिरकत

भारतीय संस्कृति व परंपरा की मूल आधार रही गायः डा. बनवारी

गाय के संरक्षण, संवर्धन का कार्य मात्र किसी एक मत, धर्म, संप्रदाय या सरकार का नहीं है बल्कि गाय भारत की संस्कृति है

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में संबोधित करते डा. बनवारी लाल। फोटो : हरिभूमि

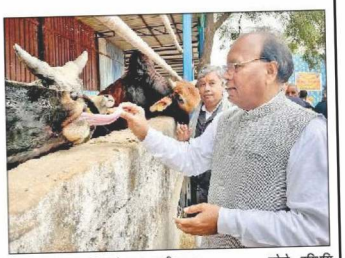

रेवाड़ी। गाय को गुड़ खिलाते डा. बनवारी लाल। फोटो : हरिभूमि

सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय भारत की आस्था और अर्थव्यवस्था की धुरी, आध्यात्मिक-सांस्कृतिक उन्नति की आधार है। सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल शुक्रवार को गोसेवा आयोग हरियाणा की ओर से गांव बगथला स्थित नंदेश्वर गोशाला, गांव सांझरपुर स्थित बाबा हंसनाथ गोशाला, गांव मामड़िया आसमपुर स्थित गोपाल कृष्ण गोशाला व रालियावास स्थित गोशाला में आयोजित चारा अनुदान वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी पूजा होती है। गाय भारत के लिए केवल एक पशु नहीं है, बल्कि जन-जन की आस्था का केन्द्र है। गोवंश संवर्धन देश की जरूरत है। गाय के संरक्षण, संवर्धन का कार्य मात्र किसी एक मत, धर्म, संप्रदाय या सरकार का नहीं है बल्कि गाय भारत की संस्कृति है और संस्कृति को बचाने का काम देश में रहने वाले हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है। प्राचीन काल से ही गाय भारतीय संस्कृति व परंपरा का मूल आधार रही है। गंगा, गोमती, गीता, गोविंद की भांति शास्त्रों में गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है। गोपालन व गोसेवा हमारी संस्कृति में महान परंपरा रही है। गोसेवा के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया।

सड़कों पर आवारा न भटकें गोवंश

■ जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि गोसेवा भी सुख व समृद्धि का एक मार्ग है। वेद-पुराण, स्मृतियां सभी गौ-सेवा की उत्कृष्टता से ओत-प्रोत हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थों का साधन भी गोमाता ही रही हैं। दरअसल भारत की संस्कृति मूल रूप से गो-संस्कृति कही जाती है। गाय श्रद्धा के साथ-साथ हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं संस्कृति का प्रमुख आधार है। गाय एकमात्र ऐसा पशु है,जिसका सब कुछ सभी की सेवा में काम आता है। गाय का दूध, मूत्र, गोबर के अलावा दूध से निकला घी, दही, छाछ, मक्खन सभी बहुत ही उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि आमजन यह सुनिश्चत करें कि गोवंश सडकों पर न आवारा न भटकें और वाहनों से टकरा कर घायल न हों। उन्होंने बगथला गोशाला के लिए 7 लाख 54 हजार, रालियावास स्थित गोशाला के लिए 2 लाख 83 हजार व सांझरपुर गोशाला के लिए 2 लाख 83 हजार की राशि सेवा के लिए गोशाला कमेटी को देने की घोषणा की।

देसी गाय की खरीद पर सब्सिडी

हरियाणा सरकार की ओर से खेती में जोखिमों को कम करने व खेती को बेहतर बनाने के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार की अनुदान योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने योजनाओं का विस्तार करते हुए अब स्वेच्छा से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाले ऐसे किसान, जिसके पास 2 से 5 एकड़ भूमि है, को देसी गाय की खरीद पर अधिकतम 25 हजार रुपए का अनुदान देने की योजना की शुरूआत की है। सरकार की योजना का लाभ लेने वाले किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जीवामृत का घोल तैयार करने के लिए चार बड़े ड्रम निशुल्क दिए जाते हैं।

रेवाड़ी। मंदिर में सफाई अभियान चलाते डॉ. बनवारी लाल। फोटो :हरिभूमि

मर्यादा और शौर्य के सबसे बड़े प्रतीक हैं श्रीराम

■ सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने बलवाड़ी धाम में किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

श्री अयोध्या धाम में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले देशभर के मंदिरों, धार्मिक स्थलों, तीर्थस्थलों में 14 जनवरी से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बलवाड़ी स्थित श्री सीता राम मंदिर में पहुंच कर प्रभु श्री राम व माता जानकी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर में झाड़-पौचा लगाकर साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया और आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही मंदिर परिसर में बनी गोशाला में गोमाता को गुड़ खिलाया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि सभी श्री अयोध्या धाम में रामलला मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन तक अपने आसपास के सभी मंदिरों एवं तीर्थस्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लें। इस साल देश में एक नहीं दो दीपावली मनाई जाएगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि श्रीराम का जीवन चरित एक ओर मर्यादा का प्रतीक है, तो दूसरी ओर अदम्य साहस एवं शौर्य का। उन्होंने नारायण के अवतार में परिवार एवं समाज के हर रिश्ते के आदर्श स्थापित किए। उनके नाम का जप-मात्र भारतीय जन-मानस को युगों-युगों से शीतलता देता है। उनका शौर्य निर्बल को सबल बनाता है। श्रीराम अयोध्यापुरी के ही सर्वाधिक प्रिय राजकुमार नहीं थे, बल्कि जहां भी गए, वहां प्रेम और सौहार्द्र की रसधार बहाते रहे। वह केवल अपने पिता राजा दशरथ के प्राणाधार ही नहीं थे, बल्कि तीनों माताओं की आंखों के तारे थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों को दिया लाभ

41 दिन में 300 गांवों में पहुंच ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

विकसित भारत संकल्प यात्रा मंगलवार को जिले के गांव कालाका, काकोड़िया, खुर्शीदनगर, कोहारड़, किशनपुर, चिरहाड़ा, मामड़िया अहीर, चिमनावास, टहना दीपालपुर, नैनसुखपुरा, पांचौर व ततारपुर खालसा में पहुंची। 41 दिन में यात्रा 300 गांवों को कवर चुकी है।

चिमनावास में सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल, पांचौर में भाजपा नेता बाबूलाल छाबड़ी, गांव ततारपुर खालसा में जयवीर योगी, गांव किशनपुर में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सिंहराम महलावत, गांव चिरहाड़ा में भाजपा नेता कुलदीप चौहान, गांव मामड़िया अहीर में भाजपा नेत्री निशा राठौर, कोसली विधानसभा के गांव खुर्शीदनगर, गांव कोहारड़ व गांव नैनसुखपुरा में विधायक कोसली लक्ष्मण सिंह यादव, गांव टहना दीपालपुर में भाजपा जिला संयोजक पंचायती राज प्रकोष्ठ बिजेंद्र डहीना, रेवाड़ी विधानसभा के गांव कालाका व गांव काकोड़िया में हरियाणा परिवार पहचान पत्र के स्टेट कोर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने बतौर मुख्य अतिथि विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत करते हुए लाभार्थियों से सीधा संवाद किया।

जनस्वास्थ्य मंत्री ने गांव सुठानी, गोलियाका व पाली में ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना गरीबों व वंचितों के लिए संकटमोचक

बावल में जोहड़ के जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जोहड़ के कार्य का शिलान्यास करते डा. बनवारी लाल। फोटो :हरिभूमि

सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पिछले करीब साढ़े 9 साल से निरंतर गरीब लोगों के हक के लिए न केवल संघर्षरत है बल्कि सरकार ने ऐसी योजनाएं लागू की हैं जो पूरी तरह से अंत्योदय व गरीब हितैषी हैं। सरकार का मानना है कि सरकार की योजनाओं व सेवाओं पर पहला हक गरीबों का है। केंद्र और प्रदेश सरकार गरीबों और वंचितों के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल बुधवार को बावल विधानसभा के गांव सुठानी, गोलियाका व पाली में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद का स्वागत करने उपरांत उपस्थित लोगों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सत्ता भाव से नहीं सेवा भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार की ओर से शुरू की गई मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना गरीबों व वंचितों के लिए संकटमोचक का काम किया है। सरकार की ओर से गरीबों की आमदनी में बढ़ोतरी करने के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का उद्देश्य प्रदेश में सबसे गरीब परिवारों की पहचान करके उनको स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत, कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार सृजन के उपायों को अपनाया जा रहा है।

माताओं-बहनों का जीवन बनाया आसान

इस अवसर पर जनस्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम पंचायत को हर घर नल से जल का प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि सरकार ने पिछले साढ़े वर्षों में दिन-रात एक करके दक्षिणी हरियाणा को डार्क जोन से बाहर निकालने का काम किया है। अब प्रदेश के हर घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन से माताओं और बहनों के जीवन में काफी सुधार आया है। उनका जीवन आसान बनाने में जल जीवन मिशन अत्यंत प्रभावी साबित हो रहा है। जहां महिलाएं पहले दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने में अपना ज्यादा समय व्यतीत करती थीं अब वह यही समय अपने घर के अन्य कामकाज और परिवार को दे पा रही है।

लाभार्थियों ने पीएम व सीएम का जताया आभार

कार्यक्रम में मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। लाभार्थियों ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने अंत्योदय जैसी योजना लागू कर देश-प्रदेश के उन गरीब लोगों का कल्याण एवं उत्थान करने की बात की है जो समाज की स्ट्रीम लाइन से टूटे हुए हैं। सरकार ने गरीबों के बच्चों की शिक्षा, परिवार का गुजर-बसर, बीमार होने पर उनकी दवा-इलाज की व्यवस्था और गरीबों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू करने का काम किया है।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन हुए नागरिकों से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करके लाभ उठाने का आह्वान किया। इस दौरान लाभार्थियों व आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर आधारित ब्रोशर, कलेंडर सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। सहकारिता मंत्री ने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसितराष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सहकारिता मंत्री ने ग्रामीणों की परिवार पहचान पत्र, वृद्धावस्था पेंशन सहित अनेक समस्याएं सुनकर अधिकारियों को मौके पर ही समाधान कराने के निर्देश दिए।

जोहड़ के जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने बावल के वार्ड 9 के वार्ड वासियों की लंबित मांग को पूरा करते हुए जोहड़ के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास भी किया। इस कार्य के पूर्ण होने पर आस-पास के लोगों को काफी लाभ होगा, साथ ही साथ शहर के सौंदर्यीकरण में यह कार्य लाभकारी सिद्ध होगा।

जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने गांव पाड़ला, जलियावास व रायपुर में ग्रामीणों से किया संवाद

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का संवर रहा है जीवन : डा. बनवारी लाल

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 13 जनवरी : हरियाणा सरकार में सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन, सशक्त नेतृत्व और सुशासन की बदौलत 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' के माध्यम से केंद्रीय योजनाओं का लाभ आज देश के कोने-कोने तक पहुंच रहा है। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का जीवन संवर रहा है। सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल आज रेवाड़ी के बावल विधानसभा के गांव पाडला, गांव जलियावास व गांव रायपुर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' का स्वागत करने के उपरांत उपस्थित लोगों से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार जागरूकता की कमी से या दूसरे कारणों से कुछ लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक पहुंचना सरकार अपना दायित्व समझती है। डा. बनवारी लाल ने इस अवसर पर सभी को 'हमारा भारत-विकसित भारत' का संकल्प भी दिलाया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आवासहीनों को घर, देश के नागरिकों को मुफ्त में इलाज, महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन, छोटे व्यापारियों को पीएम स्वनिधि के जरिये ऊपर उठाने का काम, किसानों को सम्मान निधि सहित फसल बीमा योजना का लाभ दिया है। उन्होंने

डा. बनवारी लाल

कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के साथ देश के करोड़ों लोगों का जुड़ना अपने आप में अभूतपूर्व है। उन्होंने यात्रा के मकसद को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का सबसे बड़ा मकसद यह है कि कोई भी हकदार सरकारी योजना के लाभ से छूटना नहीं चाहिए।

मंत्री डा. बनवारी लाल ने 'विकसित भारत-जनसंवाद-संकल्प यात्रा' के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन हुए नागरिकों से आह्वान किया कि विकसित भारत-जनसंवाद-संकल्प यात्रा में पहुंच कर सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि सरकार से योजनाओं का लाभ उठाना सबका हक है। आमजन इन कार्यक्रमों अधिकाधिक संख्या में आएं और अपनी पात्रता अनुसार सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने मौके पर उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे जागरूकता कैंप में आने वाले हर व्यक्ति का पूर्ण सहयोग करें। इस दौरान लाभार्थियों व आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर आधारित ब्रॉशर, कलेंडर सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। ग्रामीणों से जनसंवाद करते हुए उनकी परिवार पहचान पत्र, वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य शिकायतें व समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों व समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री ने मंदिर में किया श्रमदान

कुंड | अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर देशभर के मंदिरों, धार्मिक स्थलों, तीर्थ स्थलों में 14 जनवरी से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अभियान के तहत सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल रविवार को बलवाड़ी स्थित सीताराम मंदिर धाम में पहुंचे और सर्व प्रथम भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया और पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर श्रमदान किया और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में बनी गौशाला में गौ माता को गुड़ खिलाकर आशीर्वाद लिया। सहकारिता मंत्री ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने ग्रामीणों को किया जागरूक

विकसित भारत निर्माण के लिए युवा शक्ति देशहित में करे काम

बावल विधानसभा के गांव नांधा, गांव मनेठी व गांव नैचाना में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी/बावल

सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी देश की रीढ़ होती है और युवा शक्ति ही देश एवं समाज को शिखर पर ले जाने का काम करती है। भारत में युवाओं ने युग परिवर्तन करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का जो संकल्प लिया है, युवा शक्ति उस संकल्प को सिद्ध करने में समर्पित भाव से अपनी ऊर्जा का देशहित में प्रयोग करें। सहकारिता मंत्री शुक्रवार को बावल विधानसभा के गांव नांधा, गांव मनेठी व गांव नैचाना में विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद में लोगों से संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर महाराष्ट्र के नासिक से युवा शक्ति व आमजन को वर्चुअल माध्यम से प्रसारण दिखाकर जोश व उत्साह का संचार किया।

रेवाड़ी। महिलाओं को गैस कनेक्शन वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। कार्यक्रम मे लोगों को शपथ दिलाते डा. बनवारी लाल। फोटो : हरिभूमि

मिलेट्स को दैनिक जीवन में अपनाएं युवा

■ सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से श्रीअन्न यानी मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया। मोटे अनाजों के सेवन से कई तरह के फायदे होते हैं। इन्हें खाने वाले लोगों में गंभीर बीमारियों जैसे मोटापा, दिल की बीमारी, आदि से लड़ने की क्षमता होती है। पहले हमारे पूर्वज श्री अन्न या मिलेट्स का प्रयोग करते थे, लेकिन बदलते समय में घरों में खानपान की शैली बहुत बदल गई है। मिलेट्स को फिर भोजन में शामिल कर पोषण के सभी फायदे लिए जा सकते हैं। युवाओं को चाहिए कि वह जंक फूड को छोड़कर पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को करें आत्मसात

डा. बनवारी लाल ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य न प्राप्त हो जाए। हमें स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र निर्माण में आत्मसात करना होगा।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान लाभार्थियों व आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर आधारित ब्रॉशर, कलेंडर सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। सहकारिता मंत्री ने ग्रामीणों की परिवार पहचान पत्र, वृद्धावस्था पेंशन सहित समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को मौके पर ही समाधान कराने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि भारत का युवा किसी भी क्षेत्र में, समाज में पैदा हुआ हो उसके सपने असीम हैं। भारत और युवा शक्ति के सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोड मैप है, स्पष्ट विजन है, स्पष्ट नीति है।

नए वर्ष में सभी जीवन और कर्तव्य पथ पर नव संकल्पों के साथ बढ़ें आगे : डा. बनवारी

रेवाड़ी। सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं। नया वर्ष सभी लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए। नए वर्ष में सभी जीवन और कर्तव्य पथ पर सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। डा. बनवारी लाल ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर कहा कि नया वर्ष हमारे जीवन में नई उम्मीदें और सकारात्मक ऊर्जा साथ लेकर आता है। इसी ऊर्जा के साथ हरियाणा सरकार ने बीते 9 साल में अंत्योदय के संकल्प के साथ कई नई जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत की है। कई ऐसे नवाचार हुए है, जिनसे गांव से लेकर शहर तक हर व्यक्ति को सर कार की योजनाओं का लाभ मिला है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना के साथ समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ काम करना शुरू किया। जहां गांवों की आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में नवाचार किए गए, वहीं राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है। राज्य सरकार हरियाणा की पुरातन संस्कृति और परंपराओं के संवर्धन के साथ नई पीढ़ी को भी उससे जोड़ने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय में हरियाणा ने देश-दुनिया के सामने सफलता के नए सोपान तय किए हैं।

डा. बनवारी लाल।

हरियाणा के रेवाड़ी में जल्द ही एम्स का शिलान्यास: डॉ. बनवारी लाल

कृषि मंत्री जेपी दलाल भी बैठक में रहे मौजूद, साझा डेयरी का हर जिले में शुरू होगा पायलेट प्रोजेक्ट

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 3 जनवरी : जल्द ही रेवाड़ी में बनने वाले ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का शिलान्यास किया जाएगा। इस संस्थान के निर्माण पर लगभग 1236 करोड़ रुपये की लागत आएगी। हरियाणा के जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल व कृषि मंत्री जेपी दलाल सिविल सचिवालय में विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने 710 कंप्यूटर, प्रिंटर की खरीद प्रक्रिया बारे भी विस्तार से बातचीत की। बैठक में एसीएस वी राजा शेखर वुंदरू, हैफेड के एमडी जे गणेशन, एमडी कोआपरेटिव बैंक सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जनस्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को साझा डेयरी प्रोजेक्ट पर जल्द प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साझा डेयरी प्रोजेक्ट बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में पशुपालन व्यवसाय करने वाले लोगों को संयुक्त रूप से पशु पालन के लिए जगह मुहैया करवाई जाएगी। हर जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर योजना का शुभारंभ जल्द ही किया जाएगा।

डॉ. बनवारी लाल

साझा डेयरी सहकारिता के क्षेत्र में कारगर प्रोजेक्ट

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि साझा डेयरी सहकारिता के क्षेत्र में बहुत ही कारगर प्रोजेक्ट है। इससे महिलाओं एवं युवाओं में आत्मनिर्भरता आएगी। पशुपालन विभाग के सहयोग से संचालित किए जाने वाले इस बेहतरीन प्रोजेक्ट को सरकार ने शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने रामपुर में लगने वाली ऑयल मिल का कार्य भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। हैफेड द्वारा लगाई जाने वाली यह ऑयल मिल क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत ही कारगर साबित होगी। इस मिल को लगाने के लिए टैक्नीकल एलिजिबिलीटी की जांच की जा रही है। जिसे अगले सप्ताह ही अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक के बाद जनस्वास्थ्य मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनके निपटान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने झज्जर के मुंदसा गांव में पेयजल लाइन बिछाने और निर्बाध रूप से पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिलने से खुश नजर आ रहे लाभार्थी

-डॉ. बनवारी लाल

चण्डीगढ़, 8 जनवरी :– डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के आह्वान पर श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशभर में शुरू की गई 'विकसित भारत संकल्प यात्रा–जनसंवाद' दिन–प्रतिदिन लाभार्थियों में नया जोश व उत्साह भर रही है। प्रदेशभर में हर दिन लाखों लोग यात्रा से जुड़कर सरकार की अंत्योदय व जनहितैषी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। सहकारिता मंत्री सोमवार को बावल विधानसभा के गांव खेड़ी मोतला, गांव लोधाना व गांव बिदावास में विकसित भारत संकल्प यात्रा–जनसंवाद का गर्मजोशी से स्वागत करने उपरांत उपस्थित लोगों से सीधा संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों संग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वर्चुअल संदेश को भी सुना।

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के सामाजिक चिंतन ने देश के नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास भरने का काम किया और उन्हें विश्वास दिलाया है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में उनका हक कोई ओर नहीं मार सकता। सरकार ने गरीबों व वंचितों को सरकारी योजनाओं में पहले पायदान पर रखा है और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान कृषकों की ओर से

किसानों को खेती में सहायक ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसे लेकर किसान उत्साहित हैं। सरकार देश–प्रदेश में कृषि क्षेत्र में नवाचार व नई तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दे रही है, ताकि बेहतर उपज के साथ–साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सके। हरियाणा सहित अन्य राज्यों में किसान खेती के कार्यों में ड्रोन का उपयोग करने लगे हैं। ड्रोन से बड़े क्षेत्रफल में महज कुछ मिनटों में नैनो तरल यूरिया सहित, प्राकृतिक खाद या दवाओं का छिड़काव किया जा सकता है।

सहकारिता मंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भारत को 2047 तक 'आत्मनिर्भर एवं विकसित' राष्ट्र बनाने का संकल्प लेते हुए प्रतिज्ञा ली।

अनिल कुमार अतिरिक्त सचिव से सचिव पद पर पदोन्नत

श्री अनिल कुमार

पंचकूला :– हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड में अतिरिक्त सचिव श्री अनिल कुमार सचिव के पद पर पदोन्नत हुए। 5 जनवरी 1990 को श्री अनिल कुमार ने हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड में भूमि मूल्यांकन अधिकारी के तौर पर अपनी सेवा शुरू की थी। 29 मार्च 1996 को प्रबंधक बने, 24 जनवरी 2012 को जिला प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया।

15 जनवरी 2014 को सहायक सचिव के रूप में, 10 सितम्बर 2018 को उप सचिव के रूप में और 13 सितम्बर 2021 को अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। श्री. अनिल कुमार शर्मा को अब सचिव पद पर पदोन्नत किया गया है।

वर्ष 1996 में श्री अनिल कुमार के पिता स्व. श्री बीके शर्मा भी सचिव के पद से सेवानिृत हुए थे।

***

बावल में बेहतर आवागमन के लिए 32 सड़कों की मंजूरी

-डॉ. बनवारी लाल

चण्डीगढ़, 19 जनवरीः– डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार ने बावल हलके में लोगों को बेहतर आवागमन सुलभ करवाने के लिए 32 सड़कों के मजबूत और सुदृढीकरण की मंजूरी प्रदान की गई है। इन सड़कों पर लगभग 30 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत आएगी।

सड़कों की मजबूती और सुदृढीकरण पर होंगे 30 करोड़ 31 लाख खर्च

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत और सुदृढीकरण करने के साथ साथ हर जिले को नेशनल हाईवे से जोड़ने का कार्य किया है। इसके अलावा किसानों के लिए मंडी में अपनी उपज लाने के लिए भी सम्पर्क मार्गों को बढ़ाया गया है। इसी कड़ी में बावल हलके की अधिकांश सड़कें बनाई गई है। शेष सड़कों के लिए भी राशि जारी कर दी है। जल्द ही इन सड़कों के निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि मंजूर की गई सड़कों में सम्पर्क मार्ग, अप्रोच रोड तथा अन्य जिलों से जोड़ने वाले सड़क मार्ग भी शामिल है। गुमिना से भाण्डोर अप्रोच रोड पर एक करोड़ 37 लाख रुपए, बलवाड़ी से बलवाड़ी मंदिर तक बनने वाली सड़क पर एक करोड़ रुपए, खोरी से चिमनवास सड़क पर 1 करोड़ 10 लाख रुपए, बास डोडा अप्रोच रोड पर 2 करोड़ 30 लाख रुपए, जरथल से नन्दरामपुर बास सड़क मार्ग पर 4 करोड़ 15 लाख रुपए और साम्पली से नेशनल हाईवे 8 को जोड़ने वाली सड़क पर 1 करोड़ 10 लाख रुपए, बास डोडा से अहरोद सड़क मार्ग पर 1 करोड़ 65 लाख रुपए, गांव खिजुरी से जोनावास सड़क मार्ग पर 1 करोड़ 89 लाख रुपए से अधिक की राशि तथा नन्दरामपुर बास अप्रोच रोड पर 5 करोड़ 57 लाख रुपए से अधिक की राशि व्यय की जाएगी।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि निगानीवास से रालियावास सड़क मार्ग पर 34.12 लाख रुपए, हुसैनपुर से डलियाकी सड़क मार्ग पर 70 लाख रुपए, डलियाकी गांव की फिरनी से विस्तार लिंक रोड पर 4 लाख रुपए, कनुका से भाण्डोर सड़क मार्ग पर 58 लाख रुपए, पुनसिका अप्रोच रोड पर 30 लाख रुपए, खोरी से रेलवे स्टेशन तक बनाए जाने वाली सड़क पर 90 लाख रुपए, मनेठी अप्रोच रोड़ पर 60 लाख रुपए, ढाणी भाण्डोर से पुनसिका सड़क मार्ग पर 70 लाख रुपए तथा भैरूनाथ आश्रम के लिए अप्रोच रोड पर 30 लाख रुपए की लागत आएगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान बार्डर को जोड़ने वाली कनुका से संतो सड़क मार्ग पर 40 लाख रुपए, धामलवास से समाधिस्थल तक 60 लाख रुपए, पनवाड़ से राजस्थान बॉर्डर जाट भगोला सम्पर्क मार्ग पर 31 लाख रुपए, पंचौर से साम्पली अप्रोच रोड पर 35 लाख रुपए, नरसिंहपुर गढी अप्रोच रोड पर 25 लाख रुपए, गोठरा टप्पा खोरी अप्रोच रोड पर 75 लाख रुपए, कसौली से बागथला मार्गपर 50 लाख रुपए, इब्राहिमपुर से बागथला मार्ग पर 40 लाख रुपए, नेशनल हाईवे 8 से गांव निगानीवास सम्पर्क मार्ग पर 21.78 लाख रुपए की लागत आएगी। इसी प्रकार गांव निखरी से निगानीवास मार्ग पर 30.53 लाख रुपए, माजरी डुडा अप्रोच रोड पर 15.9 लाख रुपए, भटसाना अप्रोच रोड़ पर 57.81 लाख रुपए तथा निगानीवास से रालियावास, बलवाड़ी सड़क मार्ग पर 32.2 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

सहकारिता मंत्री ने एजेंडों की 15 में से 11 शिकायतों का मौके पर किया निपटान

चण्डीगढ़, 18 जनवरी:– डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री ने अम्बाला शहर में जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में एजेंडों की 15 शिकायतों में से 11 शिकायतों का निपटान मौके पर ही किया गया तथा शेष बची 4 शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों को निपटान करने के निर्देश दिए गये। डॉ. बनवारी लाल आज अम्बाला शहर में जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहकारिता मंत्री ने एजडे में रखी शिकायतों के संबंध में प्रार्थी व सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों द्वारा जो कार्रवाई की जा रही है उसकी विस्तार से समीक्षा की। बैठक के दौरान शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य, राजस्व, लोक निर्माण (भवन एवं सडकें), पुलिस, शिक्षा, पंचायत, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई।

एक मामले में सुरेश कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि वह जंडली पुल के पास 30 वर्षों से पंचायत की दुकान पर किरायेदार के रूप में रह रहा है और अब यह दुकानें नगर निगम को अधिकृत कर दी गई है। नगर निगम से आये अधिकारी ने मंत्री को अवगत करवाया कि प्रार्थी की दुकान की रजिस्ट्री की अप्रूवल कर दी गई है। जल्द ही नियमानुसार उसकी रजिस्ट्री कर दी जाएगी।

पुलिस विभाग से जुड़े एक मामले में गांव शहजादपुर निवासी गौरव गुप्ता ने अपनी शिकायत में शहजादपुर थाना में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। उसने आरोप लगाया कि जांच अधिकारी ने शुल्क लेकर एफआईआर को गल्त तरीके से रद्द कर दिया है। इस मामले में पुलिस विभाग से आये अधिकारी ने मंत्री को अवगत करवाया कि पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा मामले की जांच की गई है तथा यह आरोप निराधार पाए गये हैं।

व्यवसाय शुरू करने के लिए 50 करोड़ तक ऋण का प्रावधान

पिंजौर, 19 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा आई.टी.आई. बिटना (कालका) में युवा उत्थान सहकारिता समाधान विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्रीमती चेतना धनखड़ जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शिक्षा पूरी करने के बाद युवाओं के सामने सरकारी नौकारी, प्राइवेट नौकरी व अपना व्यवसाय करने का विकल्प होता है। प्रदेश सरकारी नौकरी का जिम्मा एच.पी.एस.सी. व एच.एस.एस. सी. के पास है। प्राइवेट एच.के.आर. एन.एल. का गठन किया है। रोजगार विभाग भी समय–समय पर रोजगार मेलों का आयोजन करवाता है। इनमें प्राइवेट कम्पनियों का बुलाकर युवाओं को रोजगार मुहैया करवाता है।

श्री रोहित टंडन ओद्योगिक प्रसार अधिकारी, एम.एस.एम.ई. ने बताया कि जिन युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करना है, उनके लिए एम.एस.एम.ई. विभाग उद्योग लगाने में मद्द करता है। बैंकों से 50 करोड़ रूपये तक के लोन उपलब्ध करवाता है। ये पैसा व्यवसाय की मैनेफक्चरिंग व सर्विस के लिए होता है। इसमें अलग–अलग वर्ग के लिए 15 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक सबसिडी भी उपलब्ध है। श्री राजिन्द्र सिंह ब्रांच मैनेजर पिंजौर ने लोनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्रीमती निधि मलिक शिक्षा अनुदेशक ने सभी मेहमानों को धन्यवाद किया।

पशु बांधने के स्थान को रखें सूखा

भिवानी, 3 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा घुसकानी में सदस्य कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की सदस्यों ने हिस्सा लिया। पशुपालन विभाग के श्री नरसी वी.एल.डी.ए. ने बताया कि सर्दी के मौसम में अपने पशुओं को उत्तम नस्ल का पशु आहार व खनिज तत्व जैसे कि ऑयोडिन युक्त नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण और हरा चारा दें। समय–समय पर पशुओं को रखे जाने वाले स्थान पर कीटाणु नाशक का प्रयोग करें। पशुओं को बांधे जाने वाले स्थान को सूखा रखें। उन्होंने दुधारू पशुओं व छोटे पशुओं को बीमारियों से बचाने के उपचार की विस्तृत जानकारी दी। हरकोफैड से श्री देवेन्द्र सिंह सिवाच ने स्वयं रोजगार अपनाने के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में

जानकारी दी। साथ ही पशुओं की लेकर दी गई जानकारी पर अमल करने का आग्रह किया। वहीं हरकोफैड द्वारा गांव तिगनंना में 5 जनवरी को सदस्य कक्षा आयोजित की गई।

स्कूल-कॉलेजों में मार्केटिंग कर व्यवसाय को बढ़ाएं

हिसार, 5 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा गांव नलवा जिला हिसार में 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। श्रीमती अनीता रानी ट्रेनर हांसी ने महिलाओं की पीठू बैग तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। शुरूआत में अखबार पर महिलाओं को बैग कटिंग करना सीखाया गया। जब कंटिंग की विधि समझ आई तो कपड़े की कटाई सीखाई गई। इसके बाद काटे हुए कपड़ों को जोड़कर बैग बनाना समझाया गया। 30 महिलाओं को 3 दिनों तक अभ्यास करवाया गया, ताकि उन्हें बैग बनाने में कोई दिक्कत ना रहे।

श्री देवेन्द्र सिंह सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ने बताया कि महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का हरकोफैड द्वारा आयोजन किया जा रहा है। सरकार हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। इस प्रशिक्षण शिविर के बाद महिलाओं को अपना रोजगार शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैग तैयार करके

स्कूल व कॉलेजों में जाकर मार्केटिंग करनी चाहिए। ऐसा करके खुद के अलावा अन्य महिलाओं को भी रोजगार दे सकती है। कोई भी काम शुरू करने के लिए कई योजनाओं के तहत महिलाओं को लोन की सुविधा दी जा रही है। साथ ही सरकार द्वारा महिलाओं को सबसिडी भी उपलब्ध करवाई जा रही है। जो महिलाएं प्रशिक्षिण ले रही हैं, वो दूसरी महिलाओं को भी जागरूक करें।

परिवार की आय बढ़ाने में मदद करें महिलाएं

पलवल, 6 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा गांव सुजनाड़ी में आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में स्वयं सहायता समूह की सदस्यों ने हिस्सा लिया। डोमेन कौशल प्रशिक्षण की तरफ से श्रीमती मीना देवी ने पीठू बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी अधिकारी ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए। अगर स्वयं सहायता समूह की महिला लगातार प्रेरित होकर आत्मनिर्भर बनना चाहती है तो वे अपने आप से सुबह–शाम एक प्रश्न जरूर पूछे कि ''मैं अपने परिवार की आय में क्या मदद कर सकती हूं।'' यह प्रश्न बार–बार पूछने से हमारा अचेत मन हमें स्वाभाविक रूप से काम सीखने व व्यवसाय शुरू करने में मदद करेगा। महिलाओं के लिए सरकार ने कई प्रकार की योजनाएं शुरू की हुई है, जो व्यवसाय शुरू करने में काफी यादगार है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने 3 दिन तक पीठू बैग बनाने सीखे। इस दौरान महिलाओं ने स्वयं बैग तैयार किए जो कठिनाइयां सामने आई उनका समाधान किया। अब ये महिलाएं स्वयं बैग बनाकर स्वरोजगार शुरू कर सकती हैं।

सजावट में प्रयोग होने वाली वस्तुओं को बनाना सिखाया

पंचकूला, 3 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा पिंजौर के रामनगर में सदस्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा अनुदेशक श्रीमती निधि मलिक ने किया। कार्यक्रम में वीटा डेयरी के सदस्यों के लिए विभाग द्वारा पलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जो सदस्य वीटा डेयरी पर दूध पहुंचाता है, उनके बच्चों की शादी के लिए कन्यादान योजना चलाई हुई है। इस योजना के तहत बेटी की शादी के समय विभाग की ओर से कन्यादान दिया जाता है। बेटी के पैदा होने पर बेटी के नाम से एफ.डी. करवाई जा रही है। दूध उत्पादकों का 10 लाख रूपये तक का बीमा किया जा रहा है। वहीं 10वीं व 12वीं कक्षा में मेरिट स्थान हासिल करने पर छात्रवृति योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों को घर की सजावट में प्रयोग होने वाली वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण दिया, ताकि सदस्य स्वं रोजगार अपना सके। साथ ही अपने घर पर भी इसका प्रयोग कर सके।

सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं किसान

—गायत्री अहलावत

रोहतक, 11 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा सहकारी चीनी मिल भाली जिला रोहतक के प्रांगण में किसानों के उत्थान में सहकारी चीनी मिलों का योगदान विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में मेजर गायत्री अहलावत प्रबन्ध निदेशक सहकारी चीनी मिल भाली मुख्य अतिथि के तौर पर, श्री मोहिन्द्र सिंह पूर्व सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड आयोजक अधिकारी के तौर पर उपस्थित रहे।

मैडम गायत्री अहलावत प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक व प्रोत्साहित करने वाला रहा। उन्होंने कार्यक्रम आयोजन के लिए हरकोफैड का धन्यवाद देते हुए निरन्तर इस तरह के कार्यक्रम करने का सुझाव दिया। उन्होंने किसान बन्धुओं से आग्रह किया कि सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा किसानों के लिए नित नई–नई कल्याणकारी योजनाऐं दी जा रही है। अतः किसान बन्धुओं को कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी जानकारियों में इजाफा करते हुए ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए।

डॉ. जगत सिंह कृषि विशेषज्ञ ने किसान बन्धुओं को अधिक व गुणवता वाली फसल लेने के तरीके सुझाते हुए विभिन्न फसलों में लगने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव, उपचार व सावधानियों के बारे समझाया। 15 जनवरी तक गेहूं की पछेती फसल बो सकते है। इसके बाद 15 फरवरी से सब्जी बोई जायेगी। डॉ. राजेन्द्र सिंह पशु विशेषज्ञ लाला लाजपतराय यूनिवर्सिटी हिसार ने अपने सम्बोधन में मुर्रा नस्ल की भैंस के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पशु के अच्छे खान पान, रखरखाव व दूध निकालने के समय रखी जा रही सावधानियों तथा समय पर टीकाकरण के बारे में विस्तृत रूप से समझाया।

श्री मोहिन्द्र सिंह पूर्व सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला ने बोलते हुए विभिन्न सहकारी समितियों द्वारा किसानों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान हेतू चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, जीरो बजट प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व जीवन सुरक्षा बीमा योजना के बारे में बताते हुए किसान बन्धुओं से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। अधिकारियों के सम्पर्क सूत्र देते हुए इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री करतार सिंह गन्ना प्रबन्धक सहकारी चीनी मिल रोहतक ने मिल के माध्यम से किसानों के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान बंधु गन्ने को मिल में लाते समय क्या–क्या सावधानी रखें और किस तरह सहयोग देकर चीनी मिल को आगे ले जाने में योगदान दें। श्री दीपक कुमार गन्ना विकास अधिकारी कृषि विभाग रोहतक ने उनके विभाग द्वारा किसानों की हितैषी चलाई जा रही विभिन्न सुविधाओं व योजनाओं की जानकारी दी। श्रीमती अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक रोहतक ने हरकोफैड की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और आए हुए मेहमानों का धन्यवाद किया।

मोती की खेती : रोजगार का उभरता अवसर

मोती की खेती सदियों पुरानी है, जिसकी उत्पत्ति जापान और चीन जैसे स्थानों में हुई है। यह अभ्यास इस आकस्मिक खोज के साथ शुरू हुआ कि कुछ उत्तेजक पदार्थ, जैसे कि रेत के कण, सीपों को मोती बनाने के लिए उत्तेजित कर सकते हैं। मोती को उनकी प्राकृतिक सुंदरता के लिए सदियों से संजोया गया है। मोतियों को पवित्रता औरविलासिता का प्रतीक भी माना जाता है जबकि प्राकृतिक मोती एक दुर्लभ खोज हैं और अक्सर भारी कीमत के साथ आते हैं। मोती की खेती की कला ने इन चमकदार रत्नों को अधिक सुलभ और टिकाऊ बना दिया है। आभूषणों, सौदर्य प्रसाधनों, पेंट फॉर्मूलेशन और सजावटी कपड़ों में मोतियों की भारी मांग है।

मोती की खेती एक आकर्षक व्यवसायिक अवसर है, जो धीर–धीरे देश में गति पकड़ रहा है। पिछले साल महामारी के बाद से मोती की खेती ने कई लोगों की रूचि बढ़ा दी है, क्योंकि इसमें सीमित मानव संसाधनों की आवश्यकता होती है और अंतिम उत्पाद का उच्च मूल्य होता है। हाल ही में, कई किसानों ने जलीय कृषि व्यवसाय के इस रूप में भारी मुनाफा कमाया है। भारत के भीतर मोती बेचने के साथ–साथ विदेशों में भी निर्यात किया है। मोती की खेती में सीपों को कृत्रिम आहार, जटिल कृषि संरचना या निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं होती है, इसलिए यह अपेक्षाकृत सरल कृषि तकनीक है।

मोती की खेती पांच प्रक्रियाओं से संभव

वह संपूर्ण प्रक्रिया जिसके माध्यम से मोती का उत्पादन होता है, मोती संवर्धन कहलाती है। मोती की खेती खेत में मीठे पानी में सुसंस्कृत मोती उगाने की एक प्रक्रिया है। मोती का निर्माण मोलस्क से होता है। मोती की खेती विभिन्न तरीकों से की जा सकती है – तालाबों, सीमेंट के टबों या मछली टैंकों में। आधुनिक मोती की खेती एक सावधानीपूर्वक और सूक्ष्म प्रक्रिया है। इसमें पांच चरण शामिल है :–

1. सीप का चयन : किसान उच्च गुणवत्ता वाले मोती पैदा करने के लिए सही आकार, आकृति और विशेषताओं वाले सीप का सावधानीपूर्वक चयन करते हैं। सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली सीपों में अकोया, ताहिती और दक्षिण सागर की किस्में शामिल है।

2. प्रत्यारोपण : किसी अन्य सीप के ऊतक का एक छोटा टुकड़ा, एक नाभिन (आमतौर पर एक पॉलिश मनका या मोती की मां) के साथ, चयनित सीप के गोनाड में प्रत्यारोपित किया जाता है। यह उत्तेजक पदार्थ सीप को नैकरे की परतों से ढ़कने के लिए उत्तेजित करता है, वही पदार्थ जो मोती की चमकदार सतह बनाता है।

3. पालन-पोषण : प्रत्यारोपित सीपों को पानी के नीचे के खेतों या लैगून में रखा जाता है, जहां उन्हें शिकारियों और बीमारी से बचाया जाता है। स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए उनकी नियमित रूप से निगरानी और देखभाल की जाती है।

4. कटाई : किसान परिपक्वता के संकेतों के लिए सीपों की निगरानी करते है, जिसमें मोती के प्रकार के आधार पर एक से कई साल तक का समय लग सकता है। जब मोती तैयार हो जाते हैं तो उन्हें सावधानीपूर्वक सीपों से निकाला जाता है।

5. छंटाई और ग्रेडिंग : काटे गए मोतियों का आकार, रूप, रंग, चमक और सतह की गुणवत्ता के आधार पर क्रमबद्ध और वर्गीकृत किया जाता है। यह सावधानी पूर्वक प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक मोती अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंचे।

ध्यान दें कि मोती का खेत शुरू करना आसान है, लेकिन इसके लिए लंबे समय की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है।

लागत विश्लेषण : निचले स्तर पर एक सीप की कीमत 30 से 40 रूपये है और 1 से 20 मिमी के एक सीप मोती की कीमत 300 से 1200 रूपये के बीच हो सकती है, जो उसके बाजार दरों पर निर्भर करता है। इसके अलावा मोती की कीमत काफी हद तक उत्पन्न मोतियों के आकार और गुणवत्ता पर भी निर्भर करती है। इसके लिए 15 गुणा 5 फीट आयाम और 4 फीट ऊंचाई का एक आयताकार तालाब की आवश्यक है। इसकी कीमत 20,000 रूपये से 25,000 रूपये के करीब होगी। इस तालाब में आप 1200 से 1400 सीप डाल सकते हैं। इनकी स्थापना लागत 45,000 रूपये से 50,000 रूपये होगी। इतने निवेश से आप सालाना 3,00,000 रूपये से 3,50,000 रूपये तक की कमाई कर सकते हैं।

सब्सिडी : मत्स्य पालन क्षेत्र में नीली क्रांति योजना के एक भाग के रूप में, केंद्र सरकार भारतीय मत्स्य पालन को सब्सिडी प्रदान करती है। मोती की खेती के लिए तालाब स्थापित करने की कुल लागत का 50 प्रतिशत सब्सिडी राशि होगी। इस सब्सिडी का उद्देश्य किसानों को उनकी आय बढ़ाने में मदद करना है।

मोती की खेती के फायदे : मोती की खेती किसानों के लिए एक लाभदायक व्यवसाय है। विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की तुलना में यह बहुत सरल भी है, क्योंकि मोती बनाने के लिए किसी भी भोजन की कोई महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं है। यहां व्यवसाय कृत्रिम फीड, जटिल कृषि संरचनाओं या उत्पाद पर निंरतर ध्यान देने की मांग नहीं करता है। हालांकि निवेश पर सफल रिटर्न पाने के लिए आपको खेत और उसके उत्पादों का उचित प्रबंधन करना होगा। सीप फिल्टर

फीडर होते हैं, जिससे वे पानी को मलबे से साफ रखते है। इसके अलावा, यह व्यवसाय उन लोगों के लिए भी एक अनुकूल व्यवसाय है जो जलीय क्षेत्र में काम करना पंसद करते हैं। वह भी जो नौकायन, गोताखोरी और मछली पकड़ने का शौक और कौशल रखता हो। ग्राफ्टिंग प्रक्रिया के अलावा मोती की खेती एक अपेक्षाकृत आसान जलीय कृषि व्यवसाय है। इसमें मालिक के लिए उच्च मुनाफा होता है। मोती उत्पादन का एक अन्य लाभ यह है कि अंतिम उत्पाद खराब नहीं होते हैं। यह किसानों के लिए आय का सबसे अच्छा स्त्रोत हो सकता है।

ग्रेवाल के परिवार का सेना में अहम योगदान

चण्डीगढ़ :– श्री ईश्वर सिंह ग्रेवाल सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (सेवानिवृति) के परिवार का सेना में अहम योगदान हैं। परिवार के दो सदस्य अच्छे पदों पर कार्यरत हैं और तीसरे सदस्य ने भी सेना में ज्वाइनिंग ली हैं, जो सहकारी विभाग के लिए गर्व की बात है।

विभाग के श्री महेन्द्र सिंह श्योरण उप अधीक्षक (सेवानिवृत) ने बताया कि 1 जनवरी 2024 को श्री ईश्वर सिंह ग्रेवाल सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (सेवानिवृति) के सुपुत्र ब्रिगेडियर कर्मवीर सिंह ग्रेवाल को मेजर जनरल पद पर पदोन्नति मिली है। साथ ही दामाद कर्नल जय भगवान राठी को ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत मिली है। ग्रेवाल परिवार का सेना के प्रति प्रेम व समर्पण को तब चार चांद लगे जब इनकी दोहती सिमरन राठी ने भारतीय सेना में लफ्टीनेट के पद पर ज्वाईन किया। जो ग्रेवाल परिवार व श्री ईश्वर सिंह के साथ–साथ सहकारी विभाग के लिए गर्व की बात है।

सिलाई वाले समूह बनाकर अपना केन्द्र खोलें

रोहतक, 10 जनवरी :– हरकोफैड द्वारा गांव करौंथा, मोखरा व बहु अकबरपुर रोहतक में तीन दिवसीय सदस्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। श्रीमती अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशिका हरकोफैड रोहतक ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सदस्यों को सहकारिता की परिभाषा व सहकारिता के सिद्धान्तों के बारे विस्तार से बताया। हरकोफैड द्वारा चलाई गई ट्रेनिंग प्रोगाम का भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के बारे में बताया। इनको अपनाकर आपको अपना काम शुरू करना हैं। जिन बहनों को सिलाई आती है वे एक समूह बनाकर सेन्टर खोलें और वहीं पर सिलाई का काम मिलजुल कर करें। आज देहात में टेलरों की बहुत अहमियत है। बेरोजगारी की लाइन में न खड़ा होकर अपना स्वयं का काम करें और औरों को भी काम दो। मोटा अनाज खाने में ज्वार बाजरा, चना, रागी, कागनी आदि का प्रयोग को इससे काफी फायदे है। ऋण द्वारा लिया हुआ पैसा वापस

जमा करवाने के फायदे बताये व न जमा करवाने के नुकसान भी बताये।

डॉ. राजेन्द्र सिंह लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के पशु विज्ञान केन्द्र रोहतक के प्रभारी द्वारा प्रतिभागियों को हरा चारा छाया में सुखाकर कैसे स्टोर करे और फिर बिना मौसम के भी हम पशुओं को हरा चारा खिला सकते है। पशुओं के नीचे साफ सफाई रखने, साफ पानी पिलाने, गरमी व सर्दी में उचित देखभाल करना आदि के बारे में जानकारी दी। बेबी पशुओं को जूण हो जाने के बाद कैसे लस्सी में नमक, और तेल देने से मिलने वाले फायदो की जानकारी। एक दवाई देने के बाद 15 दिन में दूसरी कम्पनी की दवाई अच्छा रिजल्ट देती है। डॉक्टर ने प्रतिभागी पशुपालकों को पशुपालन में नस्लों का चुनाव, नस्ल सुधार कार्यक्रम, नवजात पशु की देखभाल, खीस पिलाने का महत्व, पशुओं के लिए सन्तुलित आहार कैसे बनाने व खिलाने, आरामदायक गृह व्यवस्था, बीमारियों से बचाव के लिए मौसम के अनुसार प्रबंध व टीकाकरण के बारे में विस्तार से जागरूक किया। इसके साथ साथ पशु जीवन में साफ व स्वच्छ पानी का महत्व, खनिज मिश्रण खिलाने के बारे में विस्तार से फायदे बताए।

सहकारिता विभाग द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी समितियां पंचकूला कार्यालय में गुरू गोबिन्द सिंह के छोटे साहिबजादों की शहादत के सम्मान में आयोजित लंगर में प्रसाद बांटते हुए अधिकारीगण व कर्मचारी।

फरवरी मास के कृषि कार्य

गेहूं

फरवरी मास में समय पर बीजी गई गेहूं की बौनी किस्मों में तीसरा पानी और पछेती किस्मों में दूसरा पानी लगाने का सही समय है। यदि नाइट्रोजन वाली खाद की कोई मात्रा शेष रह गई हो तो इसी पानी के साथ डाल दें व खाद डालने के बाद गोड़ी अवश्य करें। हल्की जमीन में खाद सिंचाई के बाद डालें। इसी प्रकार जौ की फसल में भी दूसरा पानी तथा नाइट्रोजन की बची आधी मात्रा भी डालें। मैंगनीज की कमी के लक्षण गेहूं की प्रारंभिक वृद्धि अवस्था तथा गेहूं में बालियां निकलने के समय दिखाने देने आरम्भ होते हैं। पत्तियों पर भूरे–पीले रंग की धारियां पत्ती के सिरे से आरम्भ होकर नीचे की ओर बनती हैं। खड़ी फसल में 0.5 प्रतिशत मैंगनीज सल्फेट के घोल का 10–15 दिन के अन्तर पर 3 से 4 छिड़काव करें। पहला छिड़काव पहली सिंचाई से पहले व शेष सिंचाई के बाद करें। यदि चेपा (माहू) का आक्रमण हो जाए तो 400 मि. ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़कें। गेहूं की फसल में पीले रतुए के लक्षण दिखाई देते ही बचाव के लिए फसल पर 800 ग्राम जाइनेब (डाईथेन जेड–78) या मैन्कोजेब (डाइथेन एम–45) या प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ई.सी. (टिल्ट 25 प्रतिशत ई.सी.) 200 मि.ली. को 250 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ में छिड़काव करें और आवश्यकता पड़ने पर 10 या 15 दिन के अंतर पर दोहराएं।

गन्ना

बीज/नौलख बोई जाने वाली फसल के खेतों की मिट्टी का नमूना लेकर तुरंत मिट्टी की जांच करवाएं। प्रथम पखवाड़े में ही 15–20 गाड़ी गोबर की गली–सड़ी खाद पूरे खेत में बिखेरकर भूमि की ऊपरी सतह में जोतकर मिला दें। यदि खाद कम गला–सड़ा हो तो प्रति एकड़ खाद के साथ 20–25 किलोग्राम यूरिया भी बिखेरकर मिला दें। ध्यान रखें कि खेत में गलन–सड़न प्रक्रिया को ठीक तरह से चलाने के लिए पर्याप्त नमी होनी अति आवश्यक है। यदि खेत सूखा हो तो हल्का पानी लगा दें। मोढ़ी फसल में यदि अच्छी फूट आ गई हो तो फरवरी माह में पहली जुताई–गुड़ाई के समय 30 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन (66 किलोग्राम यूरिया) प्रति एकड़ डालें। यदि जमीन में प्राप्य फास्फोरस कम है और बीजी फसल में फास्फोरस की कमी दिखाई दे तो नाइट्रोजन उर्वरक के साथ 20 किलोग्राम शुद्ध फास्फोरस (125 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट या 44 किलोग्राम डी.ए.पी. या टी. एस.पी.) भी अवश्य डालें।

सूरजमुखी

सूरजमुखी की बिजाई 15 फरवरी तक पूरी कर लें। समय पर बिजाई के लिए हरियाणा सूरजमूखी नंबर–1 व संकर किस्में के बी.एस.एच.–1, एम.एस.एफ.एफ–8, पी.ए.सी. –36, के.बी.एस.एच.–44, एच.एस.एफ.एच.–848 तथा पी.सी.एस.एच.–234, पछेती बिजाई के लिए संकर किस्में एम.एस.एफ.एच.–17, पी.ए.सी.– 1091, सनजीन–85, प्रोसन–09 तथा एच.एस.एफ.एच.–848 किस्मों का बीज प्रयोग करें। उन्नत किस्म का 4 तथा संकर किस्मों का 1. 5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बिजाई से पहले बीज को 4–6 घंटे तक पानी में भिगोकर छाया में सूखा लें। बीजजनित रोगों से बचाव के लिए फफूंदनाशक से बीज का उपचार करना जरूरी है। जड़गलन तथा तनागलन रोगों से बचाव के लिए प्रति किलोग्राम बीज को 3 ग्राम थाईरम से बिजाई से पहले उपचारित करें। बीजोपचार के लिए बाविस्टीन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के लिए भी प्रयोग की जा सकती है। उन्नत किस्म में कतारों के बीच की दूरी 45 सैं.मी. तथा पौधों के बीच की दूरी 30 सैं.मी. और संकर किस्मों के लिए कतारों में 60 सैं.मी. एवं पौधों में दूरी 30 सैं.मी. रखें। बीज की गहराई 3–5 सै.मी. रखें।

कपास

कपास की फसल के बाद खेत खाली रह गया हो तो फरवरी के अंत में हल से गहरी जुताई कर दें। इससे मिट्टी में पड़ी सूण्डियों को पक्षी खा जाएंगे। अगली

फसल में गुलाबी व चितकबरी सूण्डियों तथा मीलीबग का आक्रमण कम हो। इसके लिए जरूरी है छंटियों के साथ लगे टिंडों को झाड़कर नष्ट कर दें। ऐसी छंटियों को जलाने के लिए प्रयोग करें। यदि छंटियां खेत में खड़ी हों तो उनकी गहरी कटाई करें। ध्यान रहे कि मोढ़ी की फसल कभी न लें।

चना

चने पर फली छेदक सूण्डी का आक्रमण कुछ क्षेत्र में हो सकता है। इससे बचने के लिए 400 मि.ली. क्विनलफॉस 25 ई.सी. या 80 मि.ली. फेनवालरेट 20 ई.सी. या 50 मि. ली. साईपरमेथ्रिन 25 ई.सी. या 150 मि.ली. डेकामेथ्रिन 2. 8 ई.सी. को 100 लीटर पानी में या 150 मि.ली. नोवालरॉन 10 ई.सी. (रीमोन) को 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़कें। जरूरत पड़ने पर 15 दिन पर कीटनाशक दवा बदल कर फिर छिड़कें। अंगमारी या झुलसा के आक्रमण से सचेत रहें, विशेषकर यदि मौसम नम व ठंडा रहे और वर्षा के आसार दिखाई दें तो प्रभावित पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दें।

मिर्च

बसंतकालीन फसल के लिए मिर्च की पौधे की खेत में रोपाई करें। कतारों की दूरी 45 से 60 सैं.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 से 45 सैं.मी. रखें। लंबी किस्मों में एन.पी. 46ए या पूसा ज्वाला, पंत सी–1, हिसार शक्ति या हिसार विजय को प्रयोग में लाएं तथा शिमला मिर्च में कैलिफोर्निया वण्डर नामक किस्म को प्रयोग में लाएं। खेत तैयार करते समय प्रति एकड़ की दर से खाद व उर्वरक का प्रयोग करें। 10 टन गोबर की सड़ी खाद, 25 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (55 कि.ग्रा यूरिया खाद), 12 कि.ग्रा. फास्फोरस (72 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) तथा 12 कि.ग्रा. पोटाश (20 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश)। पौधारोपण के समय आधी नाइट्रोजन व पूरी फास्फोरस व पोटाश दें। गोबर की खाद को जुताई करते समय, पौधारोपण के लगभग 3 सप्ताह पहले खेत में भली प्रकार बिखराकर जुताई करें।

मटर

मटर की फसल में फलीछेदक सूण्डी का प्रकोप होने पर 60 मि.ली. साइपरमेथरिन 25 ई.सी. को 200–250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। पत्तियों में सुरंग बनाने वाले कीट से फसल को बचाने के लिए 400 मि.ली. डाइमिथोएट 30 ई.सी. को 200–250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। जरूरत हो तो यही छिड़काव 15 दिन बाद दोहराएं। कीटनाशक के छिड़काव के बाद 3 सप्ताह तक फसल को खाने के लिए प्रयोग ना करें। सफेद चूर्णी रोग से बचाव के लिए 500 ग्राम सल्फेक्स या 80 मि.ली. कैराथेन 40 ई. सी. प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

आम

आम के पेड़ों में पोटाश खाद पोटाशियम सल्फेट के रूप में अवश्य दें। इस तरह से प्रति पौधा आधा किलोग्राम यूरिया और एक किलोग्राम पोटाशियम सल्फेट पौधे की छतरी के नीचे तने से 2–3 फुट की दूरी पर अवश्य बिखेर दें और अच्छी तरह से गोड़ाई करें और सिंचाई भी जरूर करें। पेड़ों के तनों पर जो अल्काथीन शीट लगा रखी है। उसके नीचे एकत्रित मीली बग के नियंत्रण के लिए 300 मि.ली. एकालक्स 25 ई.सी. को 50 लीटर पानी में घोलकर एक एकड़ बाग के पेड़ों पर छिड़काव करें। पत्तों, टहनियों आदि पर चढ़े कीटों को मारने के लिए 1.5 लीटर एकालक्स 25 ई.सी. को 50 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड़ छिड़कें। आम का तेला इस महीने प्रायः आक्रमण करता है। इसकी रोकथाम के लिए इस महीने के अंत में 500 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़कें। गुच्छा–गुच्छा ग्रस्त टहनियों को काटकर जला दें व 0.2 प्रतिशत कैप्टन व मैलाथियान 0.1 प्रतिशत नामक दवा के मिश्रण का छिड़काव करें। यह क्रिया 10–12 दिन के अंतराल पर दोहराएं।

आईएफएफडीसी के बीजों का दिया प्रशिक्षण

टोहाना, 25 जनवरी :– इफको टोहाना द्वारा रिटेलर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गांव रतनगढ़ में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. हरभगवान कम्बोज क्यूआईसी फतेहाबाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार मेजर सिंह इफको डेलिगेट ने की। कार्यक्रम में वशिष्ठ अतिथि के तौर पर श्री अभय सिंह यादव क्षेत्रीय अधिकारी हिसार, श्री संदीप कुमार क्षेत्रीय अधिकारी फतेहाबाद, श्री मनोज कुमार आईएफएफडीसी हिसार मौजूद रहे।

कार्यक्रम में श्री सुशील कुमार ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में श्री मनोज कुमार ने आईएफएफडीसी के बीजों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम में श्री संदीप कुमार ने इफको के जैव उर्वरकों, जल घुलनशील उर्वरकों एवं सागरिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी सांझा की। कार्यक्रम में श्री अभय सिंह यादव ने इफको के नवीनतम उत्पाद नैनो यूरिया तरल एवं नैनो डीएपी तरल के उपयोग हेतु विस्तारपूर्वक जानकारी सांझा की। कार्यक्रम में डॉ. हरभगवान कम्बोज ने पोश मशीन के नियमों को सभी रिटेलर बंधुओं से सांझा किया। कार्यक्रम में 35 रिटेलर बंधुओं को प्रशिक्षण दिया गया।

कविता

नारी तुम आस्था हो, विश्वास हो

नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो,
टूटी हुई उम्मीदों की एक आम आस हो,
हर जान का तुम ही तो आधार हो।
नफरत की दुनिया में तुम ही तो प्यार हो,
उठो अपने अस्तित्व को सम्भालो,
एक ही नहीं हर दिन के लिए तुम खास हो,
नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो।
नारी तुम शक्ति हो, भक्ति हो,
जीवन जीने की युक्ति हो।
नारी तुम कोमल हो, कमजोर नही,
ना रोक सके कोई तुमको, ऐसा जोर नहीं।
जब तुम हिम्मत कर लेती हो,
तब तुम निडर होकर चलती हो।
नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो,
मुश्किले देख तेरा साहस,
खुद राह से हट जायेंगी।
सफर शुरू कर अपना,
डर पर जीत पायेगी।
नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो।

श्रीमति अनीता, क्लर्क हरकोफैड।

हरकोफैड द्वारा आयोजित विद्यार्थी भ्रमण कार्यक्रम के दौरान राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल स्टाफ व श्रीमती अर्चना शिक्षा अनुदेशिका हरकोफैड भ्रमण पर ले जाते हुए।

शोक सूचना

सहकारी विभाग के दो सेवानिवृत अधिकारियों का आकस्मिक निधन

श्री होशियार सिंह

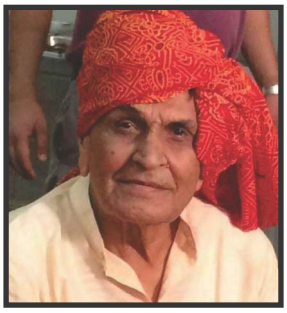

श्री होशियार सिंह का जन्म 28 दिसम्बर 1930 को गांव खेड़ी बत्तर जिला चरखी दादरी के किसान परिवार में हुआ। स्नातक की परीक्षा के बाद 18 मार्च 1955 को संयुक्त पंजाब में बतौर निरीक्षक के पद पर पटियाला में नौकरी ज्वाईन की। इसके बाद विभिन्न जिलों में निरीक्षक रहने के बाद 1 अगस्त 1973 को सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां के पद पर पदोन्नत होकर पानीपत में लगे। 9 अप्रैल 1975 में उप रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नत हुए। उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हिसार, रोहतक व मुख्यालय में बजट एवं प्लानिंग के पद पर सेवाएं दी। सी.बी. रोहतक, गुडगांव में प्रबन्ध निदेशक भी रहे। 24 दिसम्बर 1982 को सयुंक्त रजिस्ट्रार के पर पर पदोन्नत हुए। 22 नवम्बर 1984 को अतिरिक्त रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नति के बाद मुख्यालय में अतिरिक्त रजिस्ट्रार क्रेडिट के पद पर रहे। पदपश्चात 12 जून 1986 से 31 दिसम्बर 1989 तक **HSARDB** का प्रबन्ध निदेशक रहे। 31 दिसम्बर 1988 को सेवानिवृत हुए। अब 12 दिसम्बर 2023 को स्वर्गवास हो गया है। वह अपने पीछे हरा–भरा परिवार छोड़कर गए है।

श्री जयपाल यादव

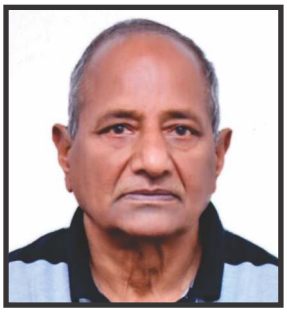

श्री जयपाल यादव का जन्म 1 जनवरी 1948 के गांव मसीत जिला गुड़गांव में हुआ। एम.ए. करने के बाद 17 नवम्बर 1971 को स्कूल प्राध्यापक पद पर ज्वाइन किया। 13 मई 1976 को सहायक रजिस्ट्रार के पद पर ज्वाइनिंग हो गई। सहायक रजिस्ट्रार रोहतक, भिवानी व पलवल में रहे। 10 अप्रैल 1980 को उप रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नत होकर गुड़गांवा, रोहतक, भिवानी में कार्य किया। सी. बी. भिवानी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव, रोहतक में बतौर प्रबन्ध निदेशक रहे। 18 फरवरी 1994 को ज्वाइंट रजिस्ट्रार पदोन्नत होकर आवास निर्माण के प्रबन्ध निदेशक बने। 21 जनवरी 1997 को अतिरिक्त रजिस्ट्रार पदोन्नत होकर हरको बैंक के प्रबन्ध निदेशक के पद पर रहे। मुख्यालय में अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (क्रेडिट) के पद पर रहकर 31 दिसम्बर 2005 को सेवानिवृत हुए। अब 18 दिसम्बर 2023 को आकस्मिक निधन हो गया। विभाग के श्री महेन्द्र सिंह श्योरण उप अधीक्षक (सेवानिवृत) ने जानकारी दी।

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत गुरु शिष्य की परम्परा अनुसार कर हाथ से पारम्परिक औजारों से कार्य कर रहे 18 तरह के कारीगरों के लिए केन्द्र सरकार ने 13000 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है।

जिन लोगों ने पिछले 5 साल में पीएमईपीजी, पीएम समृद्धि और मुद्रा लोन नहीं लिया हो, या लेने के बाद चुका दिया हो, उन्हें पात्र माना जाएगा। साथ ही इसके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में ना हो। जो पात्र योग्यता रखते हैं वो कॉमन सर्विस सेन्टर (सी.एस.सी.) व स्वयं भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी हैं। अधिक जानकारी विभाग की वेबसाइट **https://pmvishwakarma.gov.in** पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए एमएसएमई विभग में विजिट कर सकते हैं। योजना का उद्देश्य कारीगरों व शिल्पकारों को वित्तीय व कौशल रूप से मजबूत करना है।

इस योजना के तहत ये ले सकते है ऋण

- कारपेंटर
- नाव बनाने वाले
- वस्त्र बनाने वाले
- लौहार
- ताला–चाबी बनाने वाले
- सुनार
- कुम्हार
- मूर्तिकार
- मोची
- राज मिस्त्री
- टोकरी, झाड़ू बनाने वाले
- खिलौने बनाने वाले
- नाई
- धोबी
- दर्जी
- जाल बनने वाले
- मालाकार
- टूल कीट बनाने वाले

जरूरी कागजात

- आधार कार्ड
- पहचान पत्र
- निवास प्रमाण पत्र
- मोबाइल नंबर (जो आधारकार्ड से लिंक हो)
- जाति प्रमाण पत्र–पासपोर्ट साइज फोटो–ईमेल आईडी–बैंक की कॉपी
- राशन कार्ड (यदि नहीं है तो सभी सदस्यों के आधारकार्ड)

योजना के लाभ

- पहचान पत्र व सर्टिफिकेट दिया जाएगा।
- टूल–किट खरीदने के लिए 15 हजार रूपये का अनुदान दिया जाएगा।
- 3 लाख रूपये का लोन 5 प्रतिशत दर पर 4 साल के लिए मुहैया करवाया जाएगा।
- आवेदकों को मुफ्त ट्रेनिंग, 500 रुपए प्रतिदिन भत्ते के साथ–साथ 'मार्केटिंग का सहयोग किया जाएगा।

कहानी

टेक केयर

पापा बहुत खुश थे कि उनका बेटा विदेश में अच्छी तरह से सैटल हो गया था। हो भी क्यों ना। हर मां–बाप की एक ही इच्छा होती है कि उनके बच्चे सफल रहें। जहां भी रहे खुश रहें। अब बेटे ने तो तरक्की के साथ–साथ एक विदेशी युवती से शादी कर ली और उनके दो बच्चे भी हो गए। अब तो उसने अपना एक अच्छा सा मकान भी ले लिया है और बच्चों के साथ मजे से वहीं रह रहा है।

इधर पापा और मम्मी की स्थिति बिल्कुल ही विपरित हो चली है। वो अब काफी बूढ़े हो गए हैं और बुढ़ापा के साथ अक्सर बीमार भी रहने लगे हैं। शादी के बाद बेटे ने पैसे भी भेजने बंद किए हुए हैं। पेंशन के जिन रुपयों से गृहस्थी चल जाती थी अब वो पैसे भी कम पड़ने लगे हैं, क्योंकि मंहगाई, दवाएं और फलों का खर्च बजट बिगाड़कर रख देता है। कोई देखभाल करने वाला भी नहीं है। रिश्तेदार, भाइचारा और पड़ोसी भी अब सहयोग की बजाय ताना मारते हैं।

मां ने बार–बार फोन करके बेटे को घर आने के लिए कहा, क्योंकि पापा बहुत बीमार चल रहे थे। बार–बार बुलाए जाने के कारण आखिरकार बेटा किसी तरह समय निकालकर पिताजी की बीमारी का हाल–चाल जानने चला आया। मां–पिताजी बेटे को देखकर बहुत खुश हुए। साथ ही बहू और पोते–पोती को साथ न लाने पर नाराज भी हुए। आज बरसों बाद रसोई में कई चीजें एक साथ बनीं और बेटे को खूब खिलाया–पिलाया।

बेटे ने पिताजी से पूछा, ''अब तो इंडिया में भी प्रोपर्टी के दाम बहुत बढ़ गए हैं। अपना मकान कितने का चल रहा है?'' ये सुनकर पिताजी को अच्छा नहीं लगा और वो सुना–अनसुना कर गए। फिर भी दिन बहुत ही खुशी से बीता और बीमारी ने भी ज्यादा परेशान नहीं किया। घर का माहौल किसी तैयार से कम नहीं था।

बेटे का अगले दिन ही वापस लौटने का कार्यक्रम था। जब सुबह बेटे ने जाने की बात बताई तो काफी दुख हुआ। उन्होंने उसे रूकने के लिए कहा, पर वो रूकने की बात सुनने की बजाय जाते हुए इतना ही बोल पाया, ''टेक केयर पापा।'' यह बात सुनकर बुजुर्गों को काफी दुख हुआ। मम्मी की आंखों में आंसू भर आए और वे मन में सोचती ही रह गईं, ''बट हू विल टेक केयर ?''

- सीताराम गुप्ता, पीतमपुरा, दिल्ली

हरकोफैड द्वारा गांव हरजीपुर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में श्रीमती पूनम यादव शिक्षा अनुदेशिका हरकोफैड सहकारिता के बारे में जानकारी देते हुए।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
इफको नैनो यूरिया एवं
इफको नैनो डीएपी का वादा,
उपज अधिक और लाभ ज्यादा
500 मिली
₹600/- में
500 मिली
₹225/- में
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
NANO
DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
NANO FERTILIZER
FCO APPROVED
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
NANO
UREA
LIQUID (4% N w/v)
CROP NUTRITION REDEFINED
Environment Friendly
Growth Enhancer
Yield Booster
One Bottle is Equal to One Bag of Urea
Less Cost, More Profits
NANO FERTILIZER
FCO APPROVED
अधिक जानकारी के लिए निकटतम सहकारी समिति या इफको किसान सेवा केंद्र से सम्पर्क करें।
आज ही ऑर्डर करें : www.iffcobazar.in
आर्डर करने के लिए
स्कैन करें

डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री 5 जनवरी को गांव सांझरपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गोशाला समिति को चारा अनुदान की राशि सौंपते हुए।

डॉ. राजा सेखर वुंदरू, अतिरिक्त मुख्य सचिव सहकारिता विभाग को श्रीमती सुमन बल्हारा प्रबन्ध निदेशक हरकोफैड पुष्प गुच्छ देकर नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से केदार नाथ संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264